संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA)

सन्दर्भ: हाल ही में राजस्थान में लैंगिक संवेदनशीलता के लिए UNFPA परियोजना को पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का मुकाबला करने वाले विशेषज्ञों के समर्थन का मामला सामने आया है।

UNFPA:

- 1967 में एक ट्रस्ट फंड के रूप में स्थापित, UNFPA यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- 1969 से संचालित, UNFPA संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधीन काम करता है, जो इसके प्रमुख अंगों में से एक है।
- इसे मूल रूप से जनसंख्या गतिविधियों के लिए संयुक्त राष्ट्र कोष (UNFPA के रूप में जाना जाता था, बाद में 1987 में इसका नाम बदलकर संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष कर दिया गया, अभी भी UNFPA संक्षिप्त नाम का उपयोग किया जाता है।
- UNFPA की फंडिंग पूरी तरह से स्वैच्छिक योगदान से प्राप्त होती है, जिसमें सरकारें, फाउंडेशन, व्यक्ति और अंतर सरकारी संगठन आदि शामिल हैं।
- प्राप्त धनराशि संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट से अलग होता है।

उद्देश्य:

- एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना जहां सभी गर्भधारण वांछित हों, हर प्रसव सुरक्षित हो और प्रत्येक युवा को क्षमता का एहसास हो।

शासनादेश

- UNFPA को जनसंख्या मामलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लक्षित हस्तक्षेपों के लिए सहायता देने का काम सौंपा गया है।
- यह जनसंख्या और प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से संबंधित क्षेत्र-विशिष्ट विशेषज्ञता और क्षमताओं को विकसित करने पर केंद्रित है।
- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) UNFPA का अधिदेश स्थापित करती है।

लक्ष्य और फोकस क्षेत्र:

- UNFPA सतत विकास लक्ष्य 3 (स्वास्थ्य), लक्ष्य 4 (शिक्षा), और लक्ष्य 5 (लिंग समानता) को संबोधित करने में सीधे योगदान देता है।

भारत में यूएनएफपीए द्वारा कार्यक्रम:

Priority Areas	Subtopics
Integrated sexual and reproductive health	- Integrated sexual and reproductive health services
	- Health workforce capacity
	- Sexual and reproductive health policies
	- Supply chain management
Adolescents and youth	- Marginalized girls
	- Adolescents and youth
	- Sexuality education
Gender equality	- Ending harmful practices
	- Protection rights
	- Civil society and rights for all
Organizational effectiveness	- Organizational adaptability
	- Programme effectiveness
Analysis on population dynamics	- Population dynamics
	- National population data system

राष्ट्रीय स्वचालित फ़िंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (NAFIS)

सन्दर्भ: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन श्रेणी-1 के लिए सरकारी प्रक्रिया पुनर्रचना में उत्कृष्टता में डीएआरपीजी में स्वर्ण पुरस्कार जीतने के लिए एनसीआरबी की राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (NAFIS) टीम की सराहना की।

NAFIS क्या है?

NAFIS को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा नई दिल्ली में सेंट्रल फ़िंगरप्रिंट ब्यूरो (CFPB) में विकसित किया गया है।

- यह आपराधिक गतिविधियों और व्यक्तियों से जुड़े फिंगरप्रिंट के देशव्यापी खोज योग्य डेटाबेस के रूप में कार्य करता है।
- वेब-आधारित एप्लिकेशन एक केंद्रीय भंडार के रूप में कार्य करता है, जो विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से फिंगरप्रिंट डेटा एकत्र करता है।
- हाल ही में, इस वर्ष अप्रैल में, मध्य प्रदेश ने NAFIS प्रणाली का उपयोग करके किसी मृत व्यक्ति की सफलतापूर्वक पहचान करने वाले पहले भारतीय राज्य के रूप में गौरव प्राप्त किया।

NAFIS की उपयोगिता:

- कानून प्रवर्तन एजेंसियां वास्तविक समय में 24/7 डेटाबेस से डेटा तक पहुंच, पता लगा सकती हैं और उसे पुनर्प्राप्त कर सकती हैं।
- केंद्रीकृत फ़िंगरप्रिंट डेटाबेस के माध्यम से मामले के त्वरित और आसान समाधान की सुविधा प्रदान करता है।

NAFIS की कार्यक्षमता:

- किसी अपराध के लिए गिरफ्तार किए गए प्रत्येक व्यक्ति को एक अद्वितीय 10-अंकीय राष्ट्रीय फ़िंगरप्रिंट नंबर (NFN) सौंपा जाता है।
- NFN एक आजीवन पहचानकर्ता के रूप में कार्य करता है, जो अलग-अलग एफआईआर के तहत विभिन्न अपराधों को एक ही NFN से जोड़ता है।
- NFN के पहले दो अंक उस राज्य कोड को दर्शाते हैं जहां व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, उसके बाद एक अनुक्रम संख्या होती है।
- फ़िंगरप्रिंट संग्रह, भंडारण और मिलान के स्वचालन के माध्यम से, NAFIS फ़िंगरप्रिंट रिकॉर्ड को डिजिटल बनाता है, प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति के लिए एक अलग पहचानकर्ता प्रदान करता है।

- CCTNS (अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम) डेटाबेस के साथ एकीकृत, समग्र कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।

स्वचालन पहल का इतिहास

- वर्ष 1986 के राष्ट्रीय पुलिस आयोग की सिफारिशों के बाद, सेंट्रल फ़िंगरप्रिंट ब्यूरो ने डेटाबेस को स्वचालित करना शुरू किया।
- पहला प्रयास 1992 के स्वचालित फ़िंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (AFI) जिसे FACTS 1.0 कहा जाता है, का उपयोग करके रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना था।
- वर्ष 2007 में, FACTS 5.0 ने पुराने सिस्टम को बदल दिया, लेकिन इसे पुराना माना गया, जिससे 2018 NCRB रिपोर्ट के बाद NAFIS का विकास हुआ।

भारत में फ़िंगरप्रिंटिंग का विकास

- फ़िंगरप्रिंटिंग की शुरुआत औपनिवेशिक भारत में हुई, जो बाद में दुनिया भर में फैल गई।
- प्रारंभ में इसका उपयोग ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए किया गया था, न कि आपराधिक उद्देश्यों के लिए।
- धोखाधड़ी को रोकने और सटीक प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के लिए विलियम हर्शेल ने 1800 के दशक के अंत में फ़िंगरप्रिंटिंग की शुरुआत की।
- फ़िंगरप्रिंटिंग ने पेंशन, भूमि हस्तांतरण और बंधक बांड की पुष्टि करने जैसी सुरक्षित गतिविधियाँ कीं।
- फ़िंगरप्रिंटिंग ने आधिकारिक प्रक्रियाओं में एंथ्रोपोमेट्री, भौतिक विशेषताओं को मापने की एक विधि, का स्थान ले लिया।

Y-3024 (विंध्यगिरि)

सन्दर्भ: हाल ही में भारत के माननीय राष्ट्रपति छठे प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का शुभारंभ करेंगे।

INS विंध्यगिरि

- 17 अगस्त, 2023 को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड में विंध्यगिरी नाम से प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट लॉन्च करेंगी।
- प्रोजेक्ट 17 क्लास फ्रिगेट्स (शिवालिक क्लास) के बाद, विंध्यगिरि प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठा पोत है। इन जहाजों में बेहतर गुप्त सुविधाएँ, उन्नत हथियार, सेंसर और प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन प्रणालियाँ हैं।
- नया विंध्यगिरि अपने पूर्ववर्ती, पूर्व INS, एक लिएंडर क्लास एएसडब्ल्यू फ्रिगेट को श्रद्धांजलि देता है, जिसने 1981 से 2012 तक विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों और बहुराष्ट्रीय अभ्यासों में भाग लिया था।
- प्रोजेक्ट 17ए जहाजों के लिए लगभग 75% उपकरण और सिस्टम ऑर्डर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) सहित स्वदेशी फर्मों से आते हैं।
- विंध्यगिरि का प्रक्षेपण अपनी नौसैनिक विरासत का सम्मान करते हुए एक आत्मनिर्भर नौसैनिक बल के निर्माण में भारत की प्रगति को दर्शाता है।

प्रोजेक्ट 17ए

- भारतीय नौसेना ने 2019 में प्रोजेक्ट 17 अल्फा फ्रिगेट्स (पी-17ए) शुरू किया, जिसका लक्ष्य उन्नत निर्देशित-मिसाइल फ्रिगेट्स की एक श्रृंखला बनाना है।
- ये युद्धपोत वर्तमान में दो कंपनियों द्वारा बनाए जा रहे हैं: मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (एमडीएल) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE)।
- गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट्स में एक विशेष स्टील्थ डिजाइन की सुविधा है, जिसमें कम रडार का पता लगाने और बढ़ी हुई स्टील्थ क्षमताओं के लिए रडार-अवशोषक कोटिंग्स शामिल हैं।
- यह डिज़ाइन फ्रिगेट्स को आसानी से पहचाने बिना दुश्मनों तक पहुंचने की अनुमति देता है।
- इसके अतिरिक्त, नई तकनीक जहाज से अवरक्त संकेतों के उत्सर्जन को कम करती है।
- प्रोजेक्ट 17A के माध्यम से पेश किए गए पहले स्टील्थ जहाज का नाम नीलगिरि था, जिसे 2019 में लॉन्च किया गया था।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर

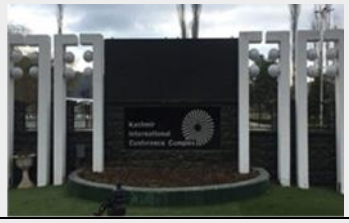

यह श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में डल झील के तट पर स्थित है।
नाम परिवर्तन: जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा 'शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) से 'कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (केआईसीसी) का नाम बदल दिया गया।
निर्माता : 1977 में प्रसिद्ध वास्तुकार जोसेफ स्टीन द्वारा निर्मित।
विरासत: मूल रूप से शेख मुहम्मद अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक) के नाम पर।
जम्मू और कश्मीर के बारे में:

- **31 अक्टूबर को जम्मू और कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजितकर दिया गया था जिसकी की घोषणा 5 अगस्त को की गई थी।**
- **भारत में पहली बार राज्य-से-केंद्र शासित प्रदेश में ऐतिहासिक परिवर्तन करने से अब देश में , अब 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं।**
- **जम्मू-कश्मीर में बदलाव:** विधानसभा की सीटें 114, कार्यकाल 5 साल, कोई विधान परिषद नहीं।
- **संसद में प्रतिनिधित्व:** जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश में 5 लोकसभा, 4 राज्यसभा सांसद हैं; लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में 1 लोकसभा सांसद है।

नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व

स्थान: यह गोंदिया और शहडोल जिले, महाराष्ट्र में स्थित है।
घटक:इसमें नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान, नवेगांव वन्यजीव अभयारण्य, नागजीरा वन्यजीव अभयारण्य, न्यू नागजीरा वन्यजीव अभयारण्य और कोका वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
कनेक्टिविटी: बड़े जैव विविधता संरक्षण गलियारों की सहायता पेंच, कान्हा, ताडोबा अंधारी और इंद्रावती टाइगर रिजर्व जैसे नजदीकी बाघ अभयारण्यों से जुड़ाव है।
पेड़-पौधे : इसमें दक्षिणी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन शामिल हैं, जिसमे शुष्क मिश्रित से लेकर नम वन तक शामिल हैं।
वनस्पति: यह 364 पौधों की प्रजातियों का घर है , जिनमें टर्मिनलिया टोमेंटोसा, लेगरस्ट्रोमिया पारविफ्लोरा, एनोगीसस लोटिफोलिया और टेरोकार्पस मार्सुपियम जैसे प्रमुख पेड़ शामिल हैं।
वन्यजीव: इसमें प्रजातियों की एक समृद्ध विविधता है , जिनमें बाघ, पैंथर, छोटा भारतीय सिवेट, पाम सिवेट, भेड़िया, सियार, जंगली कुत्ता, स्लॉथ भालू, रैटल, आम विशाल उड़ने वाली गिलहरी, गौर, सांभर, चीतल, चार सींग वाला मृग, माउस हिरण शामिल हैं।
संरक्षण: लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए आवश्यक आवास, पारिस्थितिक संतुलन और क्षेत्रीय जैव विविधता संरक्षण में योगदान।

माया

भारत के रक्षा मंत्रालय ने इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटरों के लिए माइक्रोसॉफ्ट ओएस को स्थानीय रूप से निर्मित उबंटू-आधारित ओएस 'माया' से बदल दिया है।

रोलआउट और अनुमोदन:

- रक्षा मंत्रालय में लागू हो रही 'माया'; नौसेना ने इसके उपयोग को मंजूरी दे दी।
- जबकि सेना और वायु सेना सॉफ्टवेयर का मूल्यांकन कर रही है।

विशेषताएं और लाभ:

- यह उबंटू लिनक्स वितरण पर आधारित।
- इसकी विंडोज़ के समान इंटरफ़ेस और कार्यक्षमता है।
- इसमें एंटी-मैलवेयर और एंटीवायरस सुरक्षा के लिए 'चक्रव्यूह' सुविधा शामिल है।
- यह इंटरनेट खतरों के विरुद्ध एक आभासी परत बनाता है।

विंडोज़ के साथ तुलना:

- 'माया' खुला स्रोत और लागत प्रभावी है।
- लाइसेंस की आवश्यकता वाले विंडोज़ जैसे व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर के विपरीत।

कर्नेल और आर्किटेक्चर: 'माया' एक मोनोलिथिक कर्नेल का उपयोग करता है; विंडोज़ हाइब्रिड कर्नेल का उपयोग करता है।

ओपन सोर्स पहल: सरकारों ने 1999 से 2022 तक 669 ओपन-सोर्स नीति पहल कीं।

विकास और सहयोगी: रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डीएसी) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के योगदान से विकसित किया गया।

इंडियन फ्लाइंग फॉक्स बैट

इंडियन फ्लाइंग फॉक्स बैट क्या है?

- इंडियन फ्लाइंग फॉक्स चमगादड़ (पेरोपस गिगेंटस) भारतीय उपमहाद्वीप की मूल निवासी चमगादड़ की एक बड़ी प्रजाति है।
- यह विश्व स्तर पर सबसे बड़ी चमगादड़ों की प्रजातियों में से एक है, इसमें लाल-भूरे रंग का कोट, लंबी थूथन और बड़ी आंखें होती हैं।
- यह पंखों वाली लोमड़ी जैसी दिखने वाली अपनी विशिष्ट उपस्थिति के लिए जाना जाता है।

पर्यावास और वितरण:

- यह दक्षिण मध्य एशिया के लिए स्थानिक है ,जबकि पाकिस्तान से चीन और मालदीव तक पाया जाता है।
- इसके आवासों में बगीचे, जंगल और शहरी क्षेत्र शामिल हैं।

व्यवहार और जीवनशैली:

- यह कई सौ चमगादड़ों के साथ बड़े-बड़े बसेरा बनाने वाले सामाजिक प्राणी हैं।
- ये रोस्टों के भीतर एक पदानुक्रमित प्रणाली का पालन करते हैं , जिसमें उच्च चमगादड़ पेड़ों के ऊंचे स्थानों पर कब्जा कर लेते हैं।
- ये मुख्य रूप से एक मितव्ययी आहार करते हैं , जो रस के साथ कीड़ों और फूलों द्वारा पूरक होता है।

पारिस्थितिक भूमिका: इसे उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिक तंत्र में कई पौधों के बीज फैलाव के लिए एक महत्वपूर्ण प्रजाति मानी जाती है।

संरक्षण की स्थिति:

IUCN स्थिति: कम चिंताजनक।

भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 (अनुसूची II) के तहत संरक्षित।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा

उत्पत्ति और दायरा:

- इसे 2015 में चीन के शी जिनपिंग और पाकिस्तान के नवाज शरीफ द्वारा लॉन्च किया गया।
- 46 बिलियन डॉलर से 62 बिलियन डॉलर तक विस्तार, जो पाकिस्तान की जीडीपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- यह चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की एक प्रमुख परियोजना।
- इसका उद्देश्य ग्वादर और शिनजियांग को जोड़कर पाकिस्तान की परिवहन प्रणालियों को आधुनिक बनाना है।

पथ और परियोजनाएँ:

- यह चीन के शिनजियांग को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से जोड़ता है।
- यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरता है।

ग्वादर का महत्व:

- यह बलूचिस्तान प्रांत का हिस्सा, चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के तहत प्रमुख क्षेत्र।
- यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) का केंद्र बिंदु।
- यह गहरे पानी के बंदरगाह विकास के लिए महत्वपूर्ण, होर्मुज जलडमरूमध्य की निकटता के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

पिछली घटनाएँ:

- सीपीईसी परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों पर हमले।
- बलूचिस्तान का लंबा विद्रोह इतिहास, ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ।

रणनीतिक स्थान:

- होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ग्वादर, एक महत्वपूर्ण तेल शिपिंग मार्ग है।
- इसे चीनी प्रबंधन के तहत विकसित किया गया।

समाचारों में स्थान

येलागिरी पहाड़ी

स्थान: येलागिरी हिल भारत के उत्तरी तमिलनाडु में स्थित है।

भौगोलिक विशेषताएं: येलागिरी एक सुरम्य हिल स्टेशन है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरे-भरे परिदृश्य और सुखद जलवायु के लिए जाना जाता है।

ऊंचाई: येलागिरी हिल की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 920 मीटर (3,018 फीट) से लेकर लगभग 1,410 मीटर (4,626 फीट) तक है।

पर्यटन स्थल: येलागिरी एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, खासकर आसपास के शहरी इलाकों से शांतिपूर्ण छुट्टी चाहने वाले लोगों के लिए।

पुंगनूर झील: पुंगनूर झील येलागिरी में स्थित एक शांत झील है, जो आगंतुकों के लिए नौकायन और अवकाश गतिविधियों की पेशकश करती है।

मलैयाली जनजाति के लोगों के बारे में:

- दो शताब्दी से भी अधिक समय पहले 200 से अधिक मलैयाली जनजाति के लोग तमिलनाडु के येलागिरी पहाड़ी पर बस गए थे।
- आश्रय, भंडारण, खेती और मवेशियों के लिए मिट्टी की झोपड़ियाँ स्थापित की गईं।

उत्पत्ति और नाम:

- तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में मलैयाली जनजाति ("मलाई" - पहाड़ी, "याली" - लोग)।
- प्रारंभ में ग्रामीण, खेती के लिए येलागिरी के ऊपरी निलावूर क्षेत्र में बस गए।

पारंपरिक झोपड़ी निर्माण:

- पहाड़ियों में प्रचुर मात्रा में लाल दोमट मिट्टी का उपयोग करने वाली मिट्टी की झोपड़ियाँ बने गई हैं
- यहाँ 16 गुणा 22 फीट आकार की एक कमरे की संरचनाएं अस्थायी झोपड़ियों से विकसित हुई हैं।

लाल मिट्टी का महत्व:

- लाल मिट्टी निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है, इसका उपयोग दफनाने के लिए भी किया जाता है।
- यह जन्म से मृत्यु तक जनजाति के जीवनचक्र का प्रतीक है।

POINTS TO PONDER

- **किस मंत्रालय ने इंडिया वेब ब्राउज़र डेवलपमेंट चैलेंज** (IWBDC) **शुरू किया है**? –इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
- **उस मोबाइल एप्लिकेशन का नाम क्या है जो भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को भारत के स्टार्टअप में निवेश करने की अनुमति देता है**? - सुस्वागतम पोर्टल
- **माउई द्वीप किस देश का भाग है**? - संयुक्त राज्य अमेरिका
- **कौन से खनिजों को हरित खनिज कहा जाता है**? - बॉक्साइट, कोबाल्ट, तांबा, लिथियम, ग्रेनाइट, मैंगनीज और निकल
- **पौराणिक कथाओं के अनुसार कौन सी नदी गंगा नदी की बहन है**? – देविका नदी